सहयोगात्मक पर्यवेक्षण जनपद– सिद्धार्थनगर
दिनांक– 24.10.2018 से 26.10.2018

अवगत कराना है कि मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 के पत्रांक एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./एम.एण्ड.ई/2018–19/18@565&2 fnukd 24-04-2018 o i=kd ,l-ih-,e-;-@,u-,p-,e-@,e-,.M-b-@2018&1 @18@8 6&2 fnukd 04-05-2018 में प्रदत्त निर्देशानुक्रम में दिनांक 24.10.2018 से 26.10.2018 तक जनपद–सिद्धार्थनगर में किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण का फीड बैक निम्नवत है–

Major Findings from the Visit Site	Intervention Identified	Level of Intervention
VHND सत्र 1)भालूकोनी, डुमरियागंज &24.10.2018 • ए.एन.एम. मंजू देवी को एच.आर.पी. चिन्हीकरण के संबध में जानकारी, परन्तु उसके पास थर्मामीटर, बच्चों के वजन की मशीन, सेफ मदरहुड बुकलेट, **कैल्शियम, आयरन सीरप, पैरासीटामाल नही** । • सत्र स्थल प्राथमिक विद्यालय पर आशा बहू व आंगनबाडी क्रियाशील, परन्तु उनके पास भी बच्चों के वजन की मशीन नही । • BCG टीकाकरण पश्चात भी लाभार्थी को पैरासीटामांल नही दी जा रही । • MCP कार्ड पर समुचित विवरण का अंकन नही । • क्षेत्र भ्रमण अंतर्गत प्रधान से मिलकर ए.एन.एम. द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की पुष्टि की गयी ।	प्रत्येक वी0एच0एन0डी0 सत्र पर पर्याप्त लॉजिस्टिक की उपलब्धता एवं हाथ धोने के साबुन की व्यवस्था अपेक्षित	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से 15 दिन में कार्यवाही अपेक्षित
VHND सत्र 2) माली मेनहा, डुमरियागंज&24.10.2018 • ए.एन.एम. गीता पांडे को एच.आर.पी. चिन्हीकरण के संबध में जानकारी है परन्तु उसके पास बच्चों के वजन की मशीन, सेफ मदरहुड बुकलेट, **कैल्शियम** नही । • ए.एन.एम. द्वारा सिरिंज को उपलब्ध क्रियाशील हब कटर से काटने के स्थान पर पालीथीन में संग्रहण। • MCP कार्ड पर समुचित विवरण का अंकन नही । • टीकाकरण सत्यापन में **JSY** लाभार्थी अल्का पत्नी बबलू को 2 वर्ष पूर्व प्रसव अंतर्गत प्रथम पुत्री एवं 6 माह पूर्व प्रसव अंतर्गत द्वितीय पुत्री हेतु **JSY** का भुगतान सभी औपचारिकताओं के बाद भी नही हुआ है, जबकि आशा बहू संध्या को प्रथम पुत्री हेतु भुगतान प्राप्त हुआ है ।	प्रत्येक वी0एच0एन0डी0 सत्र पर पर्याप्त लॉजिस्टिक की उपलब्धता, सिरिंज को पालीथीन में संग्रहित करने के स्थान पर हब कटर से काटने की व्यवस्था एवं लम्बित **JSY** का भुगतान अपेक्षित	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से 15 दिन में कार्यवाही अपेक्षित

सामु0स्वा0 केंद्र जोगिया, fl !k"ku#$&25.10.2018 • CHC नवनिर्मित बिल्डिंग में संचालित है। जनपद स्तरीय पर्यवेक्षण न होने से व 3 माह से नियमित प्रभारी चिकित्साधिकारी के अभाव में चिकित्सा इकाई की व्यवस्थायें चरमरा गयी है। • चिकित्सा इकाई में ओरल पिल्स, कंडोम, प्रिग्नेंसी टेस्टिंग किट, आई.यू.सी.डी. 375, विटामिन ए, आई.एफ. ए. ब्लू, अल्फा मिथाईल डोपा, लेबेटलाल, डी 3 के साथ कैल्शियम, ग्लूकोमीटर, सेल्ब्यूटांमाल सीरप व निबूलाइजिंग साल्यूशन उपलब्ध नही है। • प्रसव कक्ष के रजिस्टर पर 10 जून 2018 के बाद हुये प्रसव हेतु MCTS नम्बर अंकित नही। • केशशीट में डिस्चार्ज नही भरा जा रहा है। • लेबर रूम का हबकटर अक्रियाशील है। • पिछले भ्रमण में जिला कम्यूनिटी प्रोसेस प्रबंधक को सभी चिकित्सा इकाइयों का वार्षिक आर.के.एस. व्यय की योजना बनवायी जाये का अनुपालन चिकित्सा इकाई में परिलाक्षित नही हो रहा है। • वायल वेस्टेज संबधी जानकारी के अभाव में डिस्चार्ज से पूर्व सभी बच्चों को बी.सी.जी. नही । • इन्दिरा शक्ति एजेंसी के माध्यम से CHC पर तैनात क्लिनिंग स्वीपिंग स्टाफ को इस वित्तीय वर्ष में मानदेय नही दिया गया है।	चिकित्सा इकाई पर पर्याप्त लॉजिस्टिक की उपलब्धता रहे। वार्षिक आर.के.एस. व्यय की योजना बनवायी जाये। डिस्चार्ज से पूर्व सभी बच्चों को बी.सी.जी. दी जाये।	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से 15 दिन में कार्यवाही अपेक्षित
सामु0स्वा0 केंद्र खेसरहा, fl !k"ku#$&25.10.2018 • प्रसव कक्ष बहुत छोटा है इसे अन्यत्र स्थानान्तिरित किये जाने की आवश्यकता है। दो लेबर टेबल के मध्य प्राइवेसी की व्यवस्था एवं इससे लगा टायलेट नही है। • प्रसव कक्ष के रजिस्टर पर 01 अप्रैल 2018 के बाद हुये प्रसव हेतु MCTS नम्बर अंकित नही। • आई.यू.सी.डी. कक्ष में दिनांक 09.10.2018 से बाश बेसिन खराब होने के कारण पानी भरा हुआ है। • चिकित्सा इकाई की क्षतों पर बड़ी बड्डी घास व आर. ओ. एक वर्ष से खराब है। पिछले भ्रमण में जिला कम्यूनिटी प्रोसेस प्रबंधक को सभी चिकित्सा इकाइयों का वार्षिक आर.के.एस. व्यय की योजना बनवायी जाये का अनुपालन चिकित्सा इकाई में परिलाक्षित नही हो रहा है। • नगण्य पर्यवेक्षण व 3 माह से नियमित प्रभारी चिकित्साधिकारी के अभाव में चिकित्सा इकाई की व्यवस्थायें चरमरा गयी है। • वर्तमान वित्तीय वर्ष में JSSK डाइट अनियमित है तथा 3 माह से किसी लाभार्थी को सेवाप्रदाता अथवा	दो लेबर टेबल के मध्य प्राइवेसी की व्यवस्था हेतु पर्दे लगवाये जायें। चिकित्सा इकाई में रख रखाव कराया जाये। वार्षिक आर.के.एस. व्यय की योजना बनवायी जाये। नियमित रूप से जनपदस्तरीय पर्यवेक्षण सुनिश्चित कराया जाये सेवाप्रदाता के अभाव में JSSK डाइट की	प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से 15 दिन में कार्यवाही अपेक्षित

वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से भोजन नही। • वायल वेस्टेज संबधी जानकारी के अभाव में डिस्चार्ज से पूर्व सभी बच्चों को बी.सी.जी नही दी जा रही है। • चिकित्सा इकाई में 1 आई.एल.आर. व 1 डीप फ्रीजर खराब पड़े हैं। • चिकित्सा इकाई में कंडोम, प्रिग्नेंसी टेस्टिंग किट, अल्फा मिथाईल डोपा, लेबेटलाल, निफिडिपाइन, सेल्ब्यूटांमाल सीरप व निबूलाइजिंग साल्यूशन उपलब्ध नही है। • ड्रग स्टोर अत्यन्त अव्यस्थित है, सीलन इत्यादि के कारण दवायें व कंज्यूमेबल्स खराब हो रहे हैं।	वैकल्पिक व्यवस्था करायी जाये। डिस्चार्ज से पूर्व सभी बच्चों को बी.सी.जी. दी जाये। चिकित्सा इकाई के खराब आई.एल.आर. व डीप फ्रीजर को ठीक करायें तथा ड्रग स्टोर हेतु CMSD से रैक की व्यवस्था।	
सामु0स्वा0 केंद्र इटवा, fl !k"ku#$&26.10.2018 • चिकित्सा इकाई अंतर्गत प्रसव कार्य नवनिर्मित 30 बेडेड एम.सी.एच. विंग में सम्पादित किया जा रहा है। • परिसर में नवनिर्मित 30 बेडेड एम.सी.एच. विंग में मानव संसाधन की तैनाती न होने के कारण एम.सी.एच. विंग कियाशील नही ळें • ब्लाक अंतर्गत 18 के सापेक्ष मात्र 14 ए.एन.एम. की तैनाती होने के कारण 4 उपकेन्द्र क्षेत्र का कार्य प्रभावित हो रहा है। • वायल वेस्टेज संबधी जानकारी के अभाव में डिस्चार्ज से पूर्व सभी बच्चों को बी.सी.जी नही दी जा रही है। • चिकित्सा इकाई में ओरल पिल्स, कंडोम, प्रिग्नेंसी टेस्टिंग किट व आयरन सीरप उपलब्ध नही है।	नवनिर्मित 30 बेडेड एम.सी.एच. विंग में मानव संसाधन की तैनाती हेतु आवश्यक कार्यवाही। डिस्चार्ज से पूर्व सभी बच्चों को बी.सी.जी. दी जाये।	

उक्त के सम्बन्ध में जनपद सिद्धार्थ नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रेषित किये जाने वाले पत्र का स्वच्छ आलेख सम्मुख प्रस्तुत है,

सहमति की दशा में जनपद सिद्धार्थ नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रेषित किये जाने वाले पत्र पर हस्ताक्षर करना चाहें।

(वेद प्रकाश त्रिपाठी)
कार्यक्रम समन्वयक

(अभिषेक सोनी)
परामर्शदाता